मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 167, मुंबई, गुरुवार, 19 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
गरमा गरम नाश्ता और शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato SWIGGY amazon.in Flipkart DUNZO
Order on WhatsApp
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

दिल्ली से गिरफ्तार किया गया वांछित ड्रग तस्कर

मुंबई एटीएस

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह के एक सदस्य को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया है, जो दिवंगत घोटालेबाज हर्षद मेहता का सहयोगी रह चुका है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हर्षद मेहता का था सहयोगी

भायंदर की खाड़ी में बन रही थी अवैध शराब

पुलिस की रेड में 50 बैरल दारू और 25 गैस सिलिंडर जब्त

संवाददाता

मीरा-भायंदर। भायंदर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भायंदर पश्चिम के मूर्धा खाड़ी में 18 अगस्त की सुबह छापेमारी कर 200 लीटर के 50 बैरेल कच्चा देशी दारू, 25 सिलेंडर, सहित देशी दारू बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्री जब्त की है। पुलिस की माने तो छापेमारी के दौरान दारू बनाने वाले आरोपी मैंग्रोज पेड़ो की आड़ लेकर घटना स्थल से भागने में कामयाब हो गए है। फिलहाल पुलिस इस मामले में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी कर रही है।

टॉप-5 मुख्यमंत्रियों में उद्धव ठाकरे का नाम

संजय राउत का बीजेपी पर तंज

'जन आशीर्वाद यात्रा पर भी घेरा'

राउत ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा मतलब तीसरी लहर को न्योता

संवाददाता

मुंबई। शिवसेना के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत ने बीजेपी की जन आशीर्वाद यात्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि जन आशीर्वाद यात्रा मतलब तीसरी लहर को निमंत्रण। मीडिया से बात करते हुए राउत ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि फिलहाल जिस तरह की भीड़ इस यात्रा में दिखाई दे रही है और शक्ति प्रदर्शन हो रहा है। उससे तीसरी लहर का आना तय है। बीजेपी महाराष्ट्र को मुसीबत में डालने की कोशिश कर रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

अमेरिका से निराशा

ह्वाइट हाउस में जब एक डेमोक्रेट राष्ट्रपति चुनकर पहुंचे, तब दुनिया ने इत्मीनान महसूस किया था कि अब कम से कम शांतिकामी लोकतंत्रों के लिए स्थितियां अनुकूल होंगी। बतौर प्रत्याशी जो बाइडन ने अपनी चुनावी बहसों में लोकतंत्र के हक में सक्रिय होने का वादा किया था, उन्होंने अमेरिकी विदेश नीति को पर्याप्त अहमियत देने की भी बात कही थी, मगर अफगानिस्तान के घटनाक्रम ने उन सभी वादों और आशाओं पर पानी फेर दिया है। वहां न सिर्फ अस्थिरता की स्थिति व्यापक हो गई है, बल्कि काबुल बीस साल पुरानी स्थिति में पहुंचता दिख रहा है। कई बडे. देशों के लाखों करोड़ रुपये के निवेश संकट में पड़ गए हैं और 60 से अधिक देश अपने दूतावास कर्मियों की सुरक्षा को लेकर अब तालिबान के रहमो-करम पर हैं। अफगानिस्तान के इस सूरते-हाल के लिए दुनिया भर में अमेरिका और खासकर राष्ट्रपति जो बाइडन की हो रही मुखर आलोचना का ही असर है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को उन तमाम देशों के अपने समकक्षों का नंबर डायल करना पड़ा, जो काबुल के घटनाक्रम से सीधे प्रभावित हुए हैं। खुद राष्ट्रपति बाइडन को अपने देशवासियों के सामने सफाई पेश करनी पड़ी है। बाइडन ने पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन और तालिबान के बीच हुए करार को अपने बचाव के तौर पर इस्तेमाल किया है, लेकिन अमेरिकी लोग ही सवाल उठा रहे हैं कि जब तालिबान ने करार के तहत हिंसा बंद करने की शर्त का उल्लंघन कर दिया था और हालिया महीनों में अपने हमले तेज कर दिए थे, तब बाइडन प्रशासन समझौते का पाबंद क्यों बना रहा? ऐसी सूरत में तो उसे तालिबान के प्रति कहीं सख्त रुख अपनाना चाहिए था। जाहिर है, एक रणनीतिक लाभ की स्थिति को बाइडन प्रशासन ने ऐसे नुकसानदेह उदाहरण के रूप में तब्दील कर दिया है, जो अमेरिकियों को लंबे समय तक चिढ़ाएगा और दुनिया आशंकाओं से घिरी रहेगी। बहरहाल, अब जब वहां पूरी तरह से तालिबान काबिज हो चुका है और सत्ता के हस्तांतरण की आंतरिक कवायद हो रही है, तब अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र को विशेष रूप से सक्रिय होने की जरूरत है। तालिबान ने संकेत दिया है कि वह सार्वजनिक माफी और नई सरकार में औरतों की भागीदारी पर विचार कर सकता है। ऐसे में, वहां एक वैध व्यवस्था जल्द से जल्द कायम हो, यह अफगानियों के लिए ही नहीं, इस पूरे खित्ते और दुनिया के लिए बहुत जरूरी है। मौजूदा स्थिति में ठीक-ठीक नहीं कहा जा सकता कि तालिबान के भीतर नेतृत्व की सर्वमान्यता कितनी है और दुनिया के देश उसे लेकर क्या कुछ सोचते हैं, लेकिन आतंकवाद का संकट जितना गंभीर रूप अख्तियार कर चुका है, उसमें तालिबान और उसके खैरख्वाहों की गतिविधियों को निगरानी-मुक्त नहीं किया जा सकता। विश्व बिरादरी को पहले से कहीं अधिक सतर्कता के साथ तालिबान पर नजर रखनी पडेगी। अमेरिका की नाकामी के बाद अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के जरिये तालिबान पर दबाव बनाना होगा कि वह राजनीतिक समझौते के तहत ही आंतरिक उलझनों को सुलझाए और यदि शासन करने को लेकर वाकई गंभीर है, तो आतंकी समूहों से अपना नाता तोडे.। निस्संदेह, तालिबानी निजाम को लेकर भारत का पुराना अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा है। पर बदली स्थितियों में इसे अब एक तार्किक भूमिका के लिए तैयार होना पडेगा।

जातिगत जनगणना का जटिल सवाल

विभिन्न दलों द्वारा समय-समय पर जातीय जनगणना की मांग उठती रही है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया कि 2021 की जनगणना में 1951 से चली आ रही नीति नहीं बदलेगी। केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की गणना होगी, क्योंकि संविधान लोकसभा और विधानसभाओं में उनकी जनसंख्या के अनुपात में सीटों के आरक्षण का प्रविधान करता है। आखिर अन्य जातियों की गणना में समस्याक्या है? हिंदू समाज की समस्या जातियां नहीं, बल्कि ऊपरी सोपान पर स्थित जातियों को निचले सोपान पर स्थित जातियों से श्रेष्ठ मानने की है। इसीलिए आंबेडकर जातियों को समाप्त करना चाहते थे और राममनोहर लोहिया ने जाति तोड़ो आंदोलन चलाया। भारत में 1881 से जो दशकीय जनगणना शुरू हुई, उसमें 1931 तक जातियों की गणना होती रही। तत्कालीन जनगणना आयुक्त डा. जेएच हटन ने जातियों और उपजातियों की विविधता, उनके वर्गीकरण की समस्या, कार्मिकों की कमी और उक्त प्रक्रिया खचीर्ली होने आदि आधारों पर उसे न करने का अनुरोध किया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1941 में जैसे-तैसे जनगणना हुई, लेकिन स्वतंत्र भारत में जातीय जनगणना की परिपाटी नहीं शुरू की गई। 1951 में केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की गणना हुई। आज तक ओबीसी जनसंख्या के लिए 1931 का ही संदर्भ लिया जाता है, जिसमें उनकी संख्या 52 प्रतिशत थी। मई 2007 में तत्कालीन सामाजिक न्याय मंत्री मीरा कुमार ने राज्यसभा को लिखित उत्तर में बताया था कि उत्तर प्रदेश में सात करोड़ और बिहार, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में तीन-तीन करोड़ ओबीसी हैं। ये आंकड़े राज्य-पंचायतीराज कार्यालयों या राज्य पिछड़ा वर्ग आयोगों द्वारा दिए गए थे। सितंबर 2007 में मनमोहन सरकार ने एनएसएसओ के आंकड़े प्रकाशित किए, जिनमें ओबीसी जनसंख्या घटकर 41 प्रतिशत रह गई, क्योंकि अनेक जातियों को ओबीसी से बाहर कर दिया गया। आज विभिन्न राज्यों में ओबीसी सूची से अनेक जातियों को बाहर करने की जरूरत है, क्योंकि अनुसूचित जनजाति आदेश 1950 ने अनेक 'जनजातियों' को अनुसूचित जनजाति में शामिल न कर ओबीसी या अनुसूचित जाति सूची में रख दिया था। स्वतंत्रता से

पूर्व उत्तर प्रदेश में सैकड़ों जनजातियां थीं, मगर वहां केवल भोटिया, बुक्सा, राजी, जान्सारी और थारू को ही अनुसूचित जनजाति घोषित किया गया, शेष को ओबीसी या अनुसूचित जाति में डाल दिया गया। कई दूसरे राज्यों में भी यही हुआ। अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की सूची में फेरबदल केवल संसद कर सकती है। इसलिए इस समस्या का निराकरण कठिन है। संसद ने 2002 में उप्र की 17 जातियों को अनुसूचित जाति से निकाल अनुसूचित जनजाति सूची में डाला, परंतु केवल 13 जिलों में ही ऐसा हुआ। भारत में जातियां केवल सामाजिक इकाइयां नहीं हैं। उनकी राजनीतिक और व्यावसायिक पहचान भी है। इसीलिए पार्टियां उन्हें वोट बैंक समझती हैं। लोहिया ने दलित-पिछड़ों को मिलाकर राजनीति करने की असफल कोशिश की। कांशीराम ने बामसेफ और डीएस-4 द्वारा दलित-पिछड़ा वर्ग, महिला-मुस्लिम को मिलाकर राजनीति करने का प्रयास किया, लेकिन मुलायर्म सह और मायावती की कटुता से वह प्रयोग भी सफल नहीं हुआ। 2014 में भाजपा ने जब लोकसभा चुनावों की कमान नरेंद्र मोदी को सौंपी, तब एक मौलिक परिवर्तन हुआ। 'पहचान की राजनीति' पर 'समावेशी-राजनीति' हावी हो गई। यह 2019 के लोकसभा और अनेक विधानसभा चुनावों में भी दिखाई दिया। अधिकतर दलों को इसका अहसास नही कि 'पहचान' की देहरी से निकल मतदाता विकास और लोक कल्याणकारी योजनाओं के पंख लगा समावेशी राजनीति की ओर बढ़ चला है। इसके बावजूद सभी दल जातिवादी राजनीति को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। वास्तव में समावेशी राजनीति में ही सांप्रदायिकता और जातिवाद, दोनों की काट छुपी है। जातीय जनगणना न कराने या 2011 में हुई सामाजिक-आर्थिक-जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक न करने के पीछे जो नीयत पिछली कांग्रेस सरकारों की थी, वही भाजपा की भी लगती है। ओबीसी गणना का मुद्दा आरक्षण से जुड़ा है और आरक्षण सामाजिक न्याय से। भारत सरकार द्वारा गठित रोहिणी आयोग की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय सूची की 2633 ओबीसी जातियों में 27 प्रतिशत ने 97 प्रतिशत नौकरियां पाई हैं, जबकि 983 पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ शून्य है। इसीलिए काका कालेलकर और मंडल आयोग दोनों में ओबीसी के उपवर्गीकरण की बात उठी थी। कर्नाटक, आंध्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, झारखंड, हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र और बंगाल आदि में नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में ओबीसी उपवर्गीकरण लागू है। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने हुकुर्म सह समिति के माध्यम से इसे लागू करने की कोशिश की, लेकिन विरोध के कारण ठिठक गई। रोहिणी आयोग के समक्ष उपवर्गीकरण विचाराधीन है और वह ओबीसी को चार उपवर्गों में बांटकर 27 फीसद आरक्षण को क्रमशः 2, 6, 9 और 10 फीसद के अनुपात में वितरित करना चाहता है। यह सामाजिक न्याय की अवधारणा को पुष्ट करेगा, पर इससे ओबीसी के भीतर ही विवाद संभव है, जहां प्रभावशाली जातियां इसका विरोध कर सकती हैं। अनेक राज्यों में जातिगत जनगणना होती रही है, लेकिन 2018 में संविधान के 102वें संशोधन से अनुच्छेद-342 ए जोड़ा गया, जो केंद्र और राज्यों में ओबीसी सूची बनाने का एकाधिकार राष्ट्रपति अर्थात केंद्र को देता है। इस परिप्रेक्ष्य में ही सुप्रीम कोर्ट ने मई 2021 में राज्यों द्वारा ओबीसी सूची बनाने का अधिकार खत्म कर दिया। मोदी सरकार ने संविधान में संशोधन कर राज्यों का यह अधिकार बहाल कर दिया, जो न्यायसंगत तो लगता है, मगर संविधानसम्मत नहीं, क्योंकि संविधान की सातवीं अनुसूची में संघीय सूची क्रमांक 69 में जनगणना का एकाधिकार केंद्र को दिया गया है। फिलहाल ओबीसी के संबंध में 'प्रो-एक्टिव' नीति अपनाकर प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल पहचान की राजनीति करने वाले क्षेत्रीय दलों को गंभीर चुनौती दी है, बल्कि समाज के सबसे बड़े वर्ग को क्षेत्रीयता की सीमा से निकाल कर व्यापक राष्ट्रीय राजनीति से जोड़ने का प्रयास भी किया है।

ख्रौफ पैदा करने वाली तालिबानी सोच

बात बहुत पुरानी है जब भारतीय शासक अफगानिस्तान में शासन करते थे। ऐसे अंतिम शासक थे महाराजा रणजीत सिंह, लेकिन यह बात ज्यादा पुरानी नहीं, जब अफगानिस्तान एक आम एशियाई देश था, जहां लड़कियां पश्चिमी परिधानों में स्कूल-कालेज जाती थीं और भारतीय फिल्मकार अपनी फिल्मों की शूटिंग करने वहां जाते थे। शायद अफगानिस्तान में शूट होने वाली आखिरी हिंदी फिल्म थी-खुदा गवाह। अब इस सबकी कल्पना भी नहीं की जा सकती, क्योंकि वे तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज हो गए हैं, जो सदियों पुरानी कबीलाई मानसिकता में जी रहे हैं और जिन्होंने काबुल में कब्जा जमाते ही शरिया लागू करने के इरादे जाहिर कर दिए हैं। इसके तहत लड़कियों को स्कूल जाने और महिलाओं को अकेले घर से बाहर निकलने की मनाही होगी। अब वे किसी दफ्तर में काम करने की सोच भी नहीं सकतीं। जो कामकाजी महिलाएं थीं, वे घरों में दुबक गई हैं और टीवी चैनलों ने अपनी महिला एंकरों को या तो हटा लिया है या बुर्का पहनकर काम करने को कहा है। फिलहाल काबुल में मौजूद विदेशी टीवी चैनलों की महिला संवाददाताओं ने भी बुकार्नुमा परिधान धारण कर लिया है। सार्वजनिक स्थलों में जिन होर्डिंग में महिलाएं दिख रही थीं उन्हें या तो हटाया जा रहा है या फिर उन पर कालिख अथवा सफेदी पोती जा रही है। यह सब तब हो रहा है, जब तालिबान कह रहा है कि महिलाओं को सरकार में शामिल किया जाएगा। तालिबान नेताओं की बातों पर भरोसा न होने के कारण ही लोगों में अफगानिस्तान छोड़ने की होड़ लगी है। अफगान नागरिकों को तालिबान के शासन वाले अफगानिस्तान में अपना कोई भविष्य नहीं दिख रहा है। महिलाएं कुछ ज्यादा ही दहशतजदा हैं, क्योंकि वे अच्छी तरह जानती हैं कि उनकी आजादी पर कट्टरता का कठोर पहरा बैठने वाला है और उनकी जिंदगी गुलामों जैसी होने वाली है। तालिबानी मध्ययुग की बर्बर सोच वाले लोग हैं। भले ही काबुल हवाईअड्डे के भयावह हालात यह प्रकट करते हों कि हजारों हजार अफगानी देश छोड़ने के लिए तत्पर हैं, लेकिन अफगानिस्तान में तमाम लोग ऐसे भी हैं, जो तालिबान के समर्थक हैं। तालिबान केवल इसलिए आसानी से अफगानिस्तान में काबिज नहीं हो गए, क्योंकि अमेरिका ने अपनी सेनाओं को आनन-फानन वापस बुलाने का फैसला कर लिया और अफगान सेना बहुत पिलपिली निकली। तालिबान की राह इसलिए भी आसान हो गई, क्योंकि अफगान जनता का एक वर्ग ऐसा है, जो तालिबानी सोच वाला है और जिसे शरिया में कोई बुराई नहीं नजर आती।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साई मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई में सिमट गए कोरोना के केस?

सील हुई इमारतों की संख्या में आई 98 प्रतिशत की कमी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर की समाप्ति के संकेत की बीच सील की गईं इमारतों की संख्या कम हो गई है। पिछले 4 महीनों के दौरान 98 प्रतिशत तक की कमी देखने को मिली है। 12 अप्रैल को सील बिल्डिंग की संख्या 970 से घटकर अब केवल 21 ही रह गई है। कोविड राज्य टास्क फोर्स के सदस्य डॉक्टर शशांक जोशी ने कहा कि मुंबई फिलहाल संक्रमण के सबसे न्यूनतम स्तर पर है। शहर में कोरोना के डेली केसों की संख्या भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 300 से कम बनी हुई है। हर रोज मिलने वाले केस भी 10 से कम हो गई है। उन्होंने कहा कि अनलॉकिंग की प्रक्रिया अभी शुरू हुई है

और अगर लोग कोविड गाइडलाइंस का पालन नहीं करेंगे तो फिर से महामारी आ सकती है। अगर किसी बिल्डिंग में पांच या अधिक निवासी कोविड पॉजिटिव पाए जाते हैं तो बीएमसी उसे सील कर देती है। जिस फ्लोर पर मरीज रहते हैं, उसे सील कर दिया जाता है। इस तरह अप्रैल के दूसरे सप्ताह में सील किए गए फ्लोर की संख्या 10 हजार 983 तक पहुंच गई थी। लेकिन अब यह घटकर 1116 हो गई है। पिछले साल मार्च 2020 में शुरू हुए कोरोना संक्रमण के बाद से इस शनिवार को ही पहली बार कोई भी कंटेनमेंट जोन नहीं बनाया जाएगा। इस साल अप्रैल में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान मुंबई में करीब 2800 कंटेनमेंट जोन थे। गाड़ियों की मूवमेंट को रोकने के लिए बीएमसी बैरिकेड लगाएगी। शिवसेना के पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर ने कहा कि दूसरी लहर ने स्लम पॉकेट्स को प्रभावित नहीं किया है। 60 हजार की आबादी वाले गणपत तेली नगर में पहली लहर के दौरान कई सारे केस मिले थे। लेकिन बीएमसी की तरफ से लोकल लोगों के स्क्रीनिंग की आक्रामक रणनीति से केस में कमी आई है।

चोर बना स्पाइडरमैन, बांस के सहारे 10 मंजिल चढ़कर की चोरी

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में चोरी की वारदात का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक चोर दीवार के सहारे 10 मंजिल चढ़कर एक बिजनेसमैन के फ्लैट में टॉयलेट का कांच तोड़कर दाखिल हुआ। बड़ी ही आसानी के साथ चोर ने घर में चोरी की और कैश और गहने लेकर आराम से फ्रंट गेट से बाहर निकल गया। जिस घर में यह चोरी की वारदात हुई है वह एक बिजनेसमैन का घर है और परिवार फिलहाल फ्लैट में मौजूद नहीं था। अब इस चोर को स्पाइडर-मैन चोर की संज्ञा दी जा रही है। हालांकि इस चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच शुरू है। पुलिस ने उसके पास से सात लाख रुपए के गहने भी जब्त किए हैं। चोरी की वारदात के बाद बिजनेसमैन ने वीपी रोड पुलिस स्टेशन में 5 अगस्त को शिकायत दर्ज करवाई। उसने बताया कि वह बिहार किसी काम के लिए गया हुआ था। जब वह वापस आया तो उसने देखा कि फ्लैट का सेफ्टी डोर खुला हुआ था। साथ ही अंदर गहने और कैश भी गायब थे। जिसकी कुल कीमत बारह लाख के आसपास थी। जिसके बाद डीसीपी राजीव जैन ने सीनियर इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एक टीम बनाई और इस केस का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने पाया कि इमारत में रिनोवेशन का काम चल रहा था और छठवें फ्लोर तक बांस के डंडे लगाए गए थे। हालांकि इमारत में सीसीटीवी काम नहीं कर रहा था।

देसी पिस्तौल एवं गोलियों के साथ मुंबई में दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने पूर्वी उप नगर विक्रोली से दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से कथित रूप से आठ देसी पिस्तौल एवं कारतूस बरामद किये गये हैं। पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ईस्टर्न एक्सप्रेस वे पर अपराध शाखा ने मंगलवार की शाम यासीन रमजान खान (20) तथा अजहर आजम खान (22) को विक्रोली पूर्व से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि दोनों के पास से एक बैग बरामद किया गया जिसमें से पिस्तौल एवं कातूस जब्त किये गये। उन्होंने बताया कि ये दोनों मध्यप्रदेश के खरगोन के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान बताया कि ये पिस्तौल मध्यप्रदेश में बनाते हैं उन्हें अधिकतर मुंबई और आस पास के इलाकों में बेचा जाता है। उन्होंने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और संबंधित धाराओं के अधीन मामला दर्ज किया गया है।

सार्वजनिक शौचालय ढहा, एक घायल

मुंबई। मुंबई के पोइसर इलाके में बुधवार की सुबह एक सार्वजनिक शौचालय ढह गया और इस हादसे में 28 वर्षीय एक युवक घायल हो गया। एक निकाय अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शौचालय में फंसे तीन अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारी ने कहा कि पोइसर में बिहारी टेकड़ी रोड पर कमलेश कंपाउंड में एक चॉल में स्थित शौचालय की दीवारें और छत सुबह आठ बजे ढह गई। उन्होंने कहा कि उसमें चार लोग फंसे थे, लेकिन दमकल के पहुंचने से पहले सभी को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया। अधिकारी ने कहा कि एक व्यक्ति घायल हो गया जिसे कांदिवली स्थित शताब्दी अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत स्थिर बताई गयी है।

14 वर्षीय मंदबुद्धि बच्चा घर से लापता होकर ट्रेन से गिरकर हुई मौत

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। 16 अगस्त सोमवार को 14 वर्षीय मंदबुद्धि बच्चा घर से लापता हो गया बच्चे का नाम राहुल जगतपाल यादव रहिवासी गांवदेवी मंदिर संजय नगर का बताया जा रहा है। परिवार वालों ने इस बच्ची की सूची सोशल मीडिया पर वायरल कर दी थी और मुंब्रा पुलिस स्टेशन में इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखा दी थी जब बच्चे की ढूंढते हुए परिवार वाले मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ डिपार्टमेंट्स वालों से बच्चे की फोटो दिखाकर पूछताछ कर रहे थे बच्चे

की फोटो देखते ही आरपीएफ ने बताया यह बच्चा नूतन बंगले के भोगदे के पास से ट्रेन से गिरकर मृत्यु हो गई है। बच्चे की शिनाख्त के लिए परिवार वालों को ठाणे के सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया जहां बच्चे की शिनाख्त कर ली गई। कानूनी कार्रवाई पूरी करके बच्चे का शव परिवार के सदस्यों के हवाले कर दिया गया और परिवार वालों ने बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया। अब सवाल यह उठता है यह मंदबुद्धि बच्चा मुंब्रा रेलवे स्टेशन तक कैसे पहुंचा अगर पहुंच भी गया तो ट्रेन से गिरकर मृत्यु कैसे हुई। यह फिलहाल जांच का विषय बना हुआ है। संजय नगर इलाके में बच्चे की मौत से गम का माहौल छाया हुआ है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

दिल्ली से गिरफ्तार किया गया वांछित ड्रग तस्कर

अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली के मुनिरका इलाके में छापेमारी के दौरान एटीएस अधिकारियों ने आरोपी निरंजन शाह को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि शाह एक ड्रग मामले में वांछित था, जिसमें मुंबई एटीएस की जुहू इकाई ने मार्च में एक रैकेट का भंडाफोड़ किया था और सोहेल यूसुफ मेमन नामक एक व्यक्ति को 5.65 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) के साथ गिरफ्तार किया था। एटीएस के डीआईजी शिवदीप लांडे ने कहा कि आरोपी मुंबई से फरार हो गया था और मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों में लगातार अपना ठिकाना बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। अधिकारी ने बताया कि जब एटीएस आरोपी को पकड़ने के लिए इन राज्यों में गई, तो उसे आखिरकार मुनिरका गांव का पता चला, जहां वह एक कमरे में रह रहा था, जिसे किसी और के नाम पर किराए पर लिया गया था। एटीएस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, शाह एक कुख्यात ड्रग तस्कर था, जिसका नाम मुंबई, दिल्ली के विभिन्न थानों, एंटी-नारकोटिक्स सेल, मुंबई, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), नई दिल्ली और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के रिकॉर्ड में था। शाह दिवंगत घोटालेबाज हर्षद मेहता का पूर्व सहयोगी है और मुंबई में आर्थिक अपराध शाखा के रिकॉर्ड में भी आरोपी के तौर पर नामजद था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी को बुधवार को एक अदालत में पेश किया गया और उसे 25 अगस्त तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

टॉप-5 मुख्यमंत्रियों में उद्धव ठाकरे का नाम

वहीं राउत ने कहा की देश में हुए एक सर्वे के मुताबिक सबसे बेहतरीन मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में उद्धव ठाकरे का भी नाम शामिल हुआ है। उद्धव ठाकरे ने टॉप फाइव में जगह बनाई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, ममता बनर्जी, नवीन पटनायक भी इस लिस्ट में हैं, लेकिन बीजेपी का एक भी मुख्यमंत्री इस टॉप फाइव की लिस्ट में शामिल नहीं है। राउत ने कहा, इसका मतलब यह है कि देश में बीजेपी का ग्राफ गिर रहा है और उसी का यह परिणाम है कि पसंदीदा नेताओं की लिस्ट से उनके नाम गायब हो रहे हैं।

भारत में महंगे हुए ड्राई फूट्स? एक हफ्ते में 250 रु. किलो तक बढ़े दाम

संवाददाता / नई दिल्ली

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद भारत में इसका एक बड़ा असर ड्राई फ्रूट्स के मार्केट पर देखा जा रहा है। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात से ड्राई फ्रूट्स का आयात प्रभावित हुआ है। महज कुछ दिन के भीतर ही ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में 7-12 फीसदी तक का इजाफा हो चुका है। सिर्फ जम्मू की बात की जाए तो भाव 33 फीसदी तक उछल गए हैं। त्योहारी सीजन से पहले अचानक भाव में उछाल से ग्राहक और कारोबारी दोनों परेशान हैं। कारोबारियों का कहना है कि रक्षाबंधन से पहले और बारिश में सूखे मेवे की डिमांड बढ़ती है, लेकिन उस अनुपात में सप्लाई नहीं हो पा रही है, जिसके चलते दाम तेजी से बढ़ रहे हैं।

अफगानिस्तान के मौजूदा हालात से ड्राई फ्रूट्स का आयात प्रभावित हुआ

20 दिनों से कोई माल नहीं आ रहा

अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते प्रभाव से पिछले कुछ दिनों में अफगानिस्तान से ड्राई फ्रूट्स की आवक पर असर पड़ा है। जिसके चलते देश के थोक और खुदरा बाजारों में ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में तेजी आई है। एक हफ्ते के अंदर ही दाम 200-250 रुपए प्रति किलो बढ़े हैं।

किस ड्राई फ्रूट्स के कितने बढ़े दाम (जम्मू में)

ड्राई फूट्स	कीमत (पहले)	कीमत (अब)
बादाम	600/किलो	800/किलो
मुनक्का	550/किलो	750/किलो
अंजीर	800/किलो	1000/किलो
अखरोट	400/किलो	600/किलो
पिस्ता	1750/किलो	2000/ किलो

दिल्ली में 10 फीसदी तक बढ़े दाम

दिल्ली के थोक और खुदरा बाजारों में भी कीमत बढ़ी है। इंडो- अफगान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष कमलजीत बजाज ने बताया कि सप्लाई रुकने का असर कीमतों पर आया है। फिलहाल दिल्ली और आसपास के इलाकों में दाम 5-10 फीसदी बढ़ गए हैं। अगर ये स्थिति कुछ दिन और रहती है तो मुश्किल हो सकती है। ऐसे में सरकार को दखल देने की जरूरत है।

कोविड के दौर में बढ़ी है डिमांड

कोविड महामारी के दौरान इम्यूनिटी बेहतर बनाने और इससे उबरने के लिए लोगों ने ड्राई फ्रूट्स का सहारा लिया। इसके चलते, ड्राई फ्रूट्स व्यापारियों की चांदी हो गई। लेकिन अब ग्राहक और व्यापारी दोनों के चेहरे पर शिकन है।

मोदी सरकार कोरोना नियंत्रण के लिए टीकाकरण पर दे रही जोर

देश में वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड कायम, 1 दिन में 88 लाख लोगों को लगा टीका

संवाददाता / नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 88.13 लाख से ज्यादा लोगों का टीकाकरण किया

देश में वैक्सीन के टीकाकरण का काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। 24 घंटों के दौरान देश में रिकॉर्ड लोगों को वैक्सीन का टीका लगाने का रिकार्य कायम कर लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सोमवार को देशभर में 88.13 लाख से ज्यादा लोगों को वैक्सीनेशन किया गया। एक दिन में कभी भी इतने ज्यादा लोगों को टीका नहीं लगा है। पिछले 24 घंटों के दौरान देशभर में लगे 88.13 लाख टीकों के बाद अब देशभर में 55.47 करोड़ लोगों को वैक्सीन का टीका मिल चुका है जिनमें 43.12 करोड़ लोगों को पहला टीका लगा है और 12.35 करोड़ लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं।

खास बातें

- स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े
- अब तक 55 .47 लोगों को लग चुकी वैक्सीन

उत्तर प्रदेश टीकाकरण में सबसे ऊपर

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देशभर में अबतक उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा लोगों को वैक्सीन दी गई है। यहां 5.98 करोड़ लोगों को टीका लगाया जा चुका है, इसके बाद दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है जहां 5 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन दी जा चुकी है, तीसरे नंबर पर 4.07 करोड़ लोगों के साथ गुजरात, चौथे पर 3.84 करोड़ के साथ मध्य प्रदेश और पांचवें नंबर पर 3.80 करोड़ लोगों के साथ राजस्थान है।

6 महीने बाद केसों की संख्या 25 हजार

भारत में 154 दिनों के बाद फिर से 25 हजार से ज्यादा कोरोना मामले मिले हैं। इस दौरान कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटी है। कोरोना के सक्रिय मामले घटकर 3,69,846 रह गए, जो कि पिछले 146 दिनों की सबसे कम रहा है। इस दौरान रिकवरी रेट का प्रतिशत 97.41 प्रतिशत ही रहा। अभी स्थिति बेहद सामान्य है, लेकिन किसी तरह की लापरवाही भारी हो सकती है। फिर भी हमें कोरोना प्रोटोकाल का पालन करना होगा।

टीकाकरण से घटे पॉजिटिव

भारत में अब तक 55.47 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना वायरस के टीके लगे हैं। एक तरफ तेजी से घट रहे नए केसों और दूसरी तरफ टीकाकरण की रफ्तार ने कोरोना की गति को रोक दिया है। इसके चलते लंबे समय के बाद वीकली पॉजिटिविटी रेट अब 2 फीसदी से भी कम हो गया है। डेली पॉजिटिविटी भी अब महज 1.61 फीसदी ही रह गया है। 3 फीसदी से कम है। दूसरी लहर

3,14,48,754 लोग संक्रमण से उबरे

भारत में अब तक 3,14,48,754 लोग कोरोना संक्रमण से ठीक हुए हैं और आज सामान्य जीवन जी रहे हैं। यही नहीं बीते 24 घंटे में ही 36,830 लोग कोरोना से रिकवर हुए हैं। 36 हजार लोगों के रिकवर होने के चलते एक ही दिन में एक्टिव केसों में करीब 10,000 की कमी देखने को मिली है।

रैपिड एंटीजेन टेस्टिंग किट का एक्सपोर्ट नहीं होगा

मोदी सरकार ने कई विशेषज्ञों के द्वारा कोरोना वायरस महामारी की संभावित तीसरी लहर की चेतावनी जारी करने के बीच कोविड-19 रैपिड

एंटीजन टेस्टिंग किट के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक नोटिफिकेशन में कहा है कोविड-19 रैपिड एंटीजन टेस्टिंग किट के एक्सपोर्ट को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया है। बता दें कि एक्सपोर्टर्स को प्रतिबंधित श्रेणी में शामिल किए गए उत्पादों के एक्सपोर्ट के लिए डीजीएफटी से लाइसेंस या मंजूरी जरूरी होती है और इस तरह के प्रतिबंधों का मुख्य उद्देश्य कोविड-19 रैपिड एंटीजन टेस्टिंग किट की घरेलू उपलब्धता को बढ़ाना है।

केरल में अकेले 12,294 नए मामले सामने आए

तिरुवनंतपुरम। केरल में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण से 142 और लोगों की जान चली गई तथा

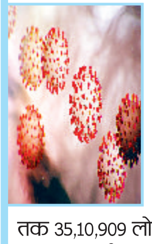

महामारी के 12,294 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 36,81,965 हो गए तथा मृतकों की संख्या 18,743 पर पहुंच गई। राज्य सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि पिछले एक दिन में 18,542 लोग ठीक हो गए। जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक 35,10,909 लोग ठीक हो चुके हैं और वर्तमान में 1,72,239 मरीज उपचाराधीन हैं।

विजयन बताएं कहां गया चर्चित कोरोना मॉडल: नड्डा

केरल में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़े हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय जेपी नड्डा ने राज्य में बढ़ते कोरोना

के मामलों को लेकर पिनरई विजयन सरकार पर तंज कसा है। जेपी नड्डा ने कहा कि केरल में 20,000 औसतन केस आ रहे हैं। कोविड प्रबंधन को लेकर काफी बात की जा रही थी अब वो चर्चित कोरोना प्रबंधन का मॉडल कहां गया? नड्डा ने पिनरई विजयन सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि केरल की सरकार ने कोविड-19 महामारी से लड़ने में अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई।

असम में फिर बिगड़े हालात

दो गुटों में खूनी संघर्ष, 4 इलाकों में लगा कर्फ्यू

संवाददाता / हैलाकांडी

असम के हैलाकांडी में दो गुटों के बीच हुए संघर्ष के बाद कर्फ्यू लगाया गया है। पुलिस के मुताबिक हैलाकांडी के एक स्थानीय बाजार में दो गुटों के बीच कुछ विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया था कि मारपीट की नौबत आ गई और देखते ही देखते बड़ी हिंसा भड़क गई। पुलिस के मुताबिक दोनों गुटों के बीच तनातनी में कई लोगों के साथ पुलिस जवानों को भी चोट पहुंची है।

तनाव को देखते हुए हैलाकांडी के कुछ इलाकों में पूरी तरह से कर्फ्यू लगा दिया गया है। डीएम रोहन कुमार झा के मुताबिक सेरिस्पोर टी गार्डन, नारायणपुर, ईतरकांडी व चांदपुर गांव में पूरी तरह कर्फ्यू लागू रहेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान मेडिकल इमरजेंसी या फिर कोविड मरीजों को ही आने-जाने की अनुमति दी जाएगी।

स्थिति तनावपूर्ण है लेकिन नियंत्रण में

कुछ इलाकों में सभी सरकारी और निजी कार्यालयों, दुकानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और अन्य प्रतिष्ठानों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। कर्फ्यू के दौरान किसी भी तरह की आवाजाही, बैठक, सभा या रैलियों की मनाही है।आधिकारिक आदेश में कहा गया है, स्थिति की तात्कालिक आवश्यकता के अनुसार यह आदेश पारित किया जाता है। यह सोमवार को रात दस बजे से लागू हो गया और अगले आदेश तक लागू रहेगा। हैलाकांडी के जिला विकास आयुक्त राणाजीत कुमार लसकर ने कहा कि स्थिति तनावपूर्ण है लेकिन नियंत्रण में है और सोमवार रात के बाद से कोई नई घटना नहीं हुई है।

उधर, शिलांग में स्थिति शांत, हेल्पलाइन शुरू

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मेघालय की राजधानी शिलांग में हुई हिंसा के मद्देनजर लगाए गए कर्फ्यू के बाद कोई अनचाही घटना नहीं हुई है। राज्य सरकार ने मंगलवार को कहा कि शिलांग में अब स्थिति शांत है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने ऐसे लोगों के लिए एक पुलिस हेल्पलाइन शुरू की है जिन्हें बचाए जाने की जरूरत है। यह हिंसा हाल ही में एक पुलिस मुठभेड़ में मारे गए एक पूर्व आतंकवादी के अंतिम संस्कार के दौरान भड़की थी। एक रिपोर्ट के अनुसार गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है, लेकिन जो लोग बाहर निकलना चाहते हैं, उनकी मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस तीन कंट्रोल रूम का संचालन कर रही है। इन्हें शहर में कहीं से भी और किसी की भी निकासी कॉल का जवाब देने का काम सौंपा गया है।

स्वतंत्रता दिवस की पावन पर्व के उपलक्ष में सत्य की नगरी में 'द ह्यूमन योगा फाउंडेशन' द्वारा योगा का किया गया कार्यक्रम

मुंबई। 15 अगस्त 2021 स्वतंत्रता दिवस की पावन पर्व के उपलक्ष में सत्य की नगरी में 'द ह्यूमन योगा फाउंडेशन' द्वारा योगा का कार्यक्रम किया गया, कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने योगा के जो हुनर करके दिखलाया वह काबिले तारीफ व सराहनीय था ट्रेनर श्री शिवनारायण जी ने अपने ट्रेनिंग के माध्यम से बच्चों के फिजिकल फिटनेस के बारे में बहुत अच्छा तालीम दिए। श्री शिवनारायण जी ने 5 साल से लेकर 15 साल के बच्चों को 'द ह्यूमन योगा फाउंडेशन' के ब्रांच, सत्य की नगरी में योगा फिजिकल फिटने का तालीम देते हैं, और उसकी ट्रेनिंग पाकर बच्चे बड़े खुश रहते हैं। 15 अगस्त के दिन 'नेहरू युवा केंद्र एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार' महाराष्ट्र और गोवा मंडल के स्टेट डायरेक्टर श्री माननीय प्रकाश मनोरे साहब जी ने अपनी भूमिका कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निभाए, योगा का कार्यक्रम को शुरू से लेकर अंत तक बहुत अच्छा चला और कार्यक्रम के सूत्रसंचालन को श्री शिवनारायण साहब और उनके सहयोगी योगा टीचर सुनील भारतीय, योगा टीचर अमित जयसवाल जी ने कार्यक्रम में उपस्थिति सुनिश्चित रखें। विशेष रुप से जैन समाज के महाराज साध्वी गुरु जी ने प्रमुख भूमिका निभाई, उन्होंने बच्चों को उनके भविष्य से संबंधित कार्य करने के बारे में बताया और हिंदुस्तान की परिभाषा और लोगों को कैसे जीना चाहिए उसी प्रकार से मानव जीवन जीने का सस्ती और अच्छी प्रक्रिया को अपनाने का मूल मंत्र बताया। श्री प्रकाश भटूरे साहब ने भी दूरदर्शन के माध्यम से समाज को एक संदेश दिया हर बच्चे को रोज योगा करना चाहिए और बच्चों को खेल कार्यक्रम के जरिए आने वाले कल में सरकारी हॉस्टल ट्रेनिंग ओलंपिक में इन बच्चों को देखते हुए जाने की प्रेरणा बताएं, बच्चों को बताया कि यह आने वाले कल में बच्चे देश को स्वर्ण पदक दिला सकते हैं इतनी क्षमता है इन सभी बच्चों में दूरदर्शन के पत्रकार श्री जी ने प्रकाश मनोरे जी का इंटरव्यू लिया और दूरदर्शन के माध्यम से वातालर्प हुआ उसके बाद योग गुरु श्री राधेश्याम जयसवाल अपनी कड़ी मेहनत से पिछले 15 सालों का अनुभव भी व्यक्त किया, दूरदर्शन के रिपोर्टर से योग गुरु राधेश्याम ने बताया कि मैं नेहरू युवा केंद्र का एकलौता योगा ग्रैंड मास्टर हूं और बच्चों के ट्रेनिंग के सिलसिले में बताया पिछले 15 सालों से मैं इतनी संस्थाओं में 23 संस्थाओं में काम कर रहा हूं मेरा एक ही लक्ष्य है 5 साल से 15 साल तक के बच्चों को सपोर्ट की ट्रेनिंग दी जाए और वह देते चले आ रहे हैं द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री योग गुरु राधेश्याम है जिनके मार्गदर्शन में द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के बढ़ते कदम को देखते हुए योग गुरु राधे श्याम के कार्य इतने निराले हैं सभी लोग उनको चाहते रहते हैं योग गुरु राधे श्याम ने एक संस्था बनाई है जो महिलाओं के लिए स्पेशल है अंतर्राष्ट्रीय महिला सन्मान इस ग्रुप में सभी महिलाओं को एकत्र करने का काम योग गुरु राधेश्याम जी ने किया बहुत सारे महिलाओं को उनके संस्थाओं को नेहरू युवा केंद्र मुंबई महाराष्ट्र और गोवा स्टेट के स्टेट डायरेक्टर प्रकाश मनुरे साहब के साथ सभी संस्थाओं को द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के जरिए जोड़ने का काम करते चले आ रहे हैं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम में आए सभी अतिथि गण को प्रणाम करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाते - बढ़ाते बच्चों से सभी प्रकार की योगा का सबके सामने करके दिखलाया।

अनिल सोनकर और राजेश्वरी ने योगा का आसन करके दिखलाया अनिल ने बच्चों को हवा में उल्टा जंप कर फिर दिखलाया और सभी के गुरु, योगा गुरु ग्रैंड मास्टर राधेश्याम अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुके राधेश्याम जी ने अपने बच्चों को शिष्टाचार सभ्यता सिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी इसी के साथ उनके योगा टीचर ने भी अपने अपने बच्चों को सभ्यता का मार्ग और शिष्टाचार बातें बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी यही प्रथा चलती आ रही है शिवनारायण भी अपने बच्चों को शिष्टाचार बातें हरदम बताते रहते हैं और योग गुरु राधेश्याम से सलाह भी लेते रहते हैं कहीं गड़बड़ ना हो जाए अकरम में आए दूरदर्शन के सिर सिर सर और कैमरामैन इन दोनों की कार्य कार्यक्रम की भूमिका मे अच्छे से नजर आए एक माध्यम से कार्यक्रम में प्रचार प्रसार का कारवां चला और इंटरनेशनल नारी शक्ति सम्मान महिलाओं का ग्रुप द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के अंतर्गत सभी महिलाओं को भारत सरकार से जोड़ने का काम योग गुरु बहुत तेजी से कर रहे हैं आने वाले दिनों में इंटरनेशनल नारी शक्ति सम्मान में पदाधिकारियों को अच्छी जगह पर नियुक्ति की जाएगी जो लोग काम कर रहे हैं संस्था में उनको अच्छा मार्गदर्शन योग गुरु राधे श्याम अवश्य देंगे ताकि उनके भविष्य में उनको किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है इंटरनेशनल नारी शक्ति सम्मान में योग गुरु राधे श्याम महिलाओं के प्रति आत्मसमर्पण स्वतंत्रता देश भक्ति के साथ-साथ सभी के विश्वास को जीतने का काम करके दिखाया और उन सभी महिलाओं को आश्वासन भी दिया और देती रहते हैं आपको पुलिस प्रोटेक्शन वकील हॉस्पिटल आज ही की जरूरत पड़े योग गुरु राधेश्याम आधी रात को फोन आएगा तो खड़े रहेंगे इसीलिए सभी महिलाओं ने उनका दिल से धन्यवाद दिया है और आशीर्वाद भी दिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

घोंगडी बैठक का कार्यक्रम पूरे जिले में अमल में लाया जाए: नाजीर काजी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। तहसील में घोंगडी बैठक के माध्यम से पार्टी संगठन को मजबूत करने के अलावा, पदाधिकारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के लक्ष्यों को फैलाने और अपनी विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं गांवों से आने वाली आम जनता की समस्याओं को ध्यान में रखकर उनका समाधान किया जाता है। नतीजतन, हर गांव में कार्यकर्ता बनते हैं और यह एनसीपी के विचारों को घर-घर तक फैलाने में मदद करता है। घोंगडी बैठक बुलडणा तहसील के पदाधिकारियों द्वारा शुरू की गई एक सराहनीय पहल है। इस कार्यक्रम को पूरे जिले में लागू किया जाना चाहिए और पूरे राज्य में बुलडाना का नाम फैलाया जाना चाहिए, ऐसी अपील की अँड.नाझेर काझी ने की है। वह तालुका राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की समीक्षा बैठक का मार्गदर्शन करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर पार्टी पक्षनिरीक्षक रवींद्र तौर व महिला निरीक्षक रीताताई बाविस्कर विशेष उपस्थिति रही। जबके माजी अध्यक्ष ॲड.साहेबराव सरदार, विधानसभा अध्यक्ष नरेश शेळके, महिला जिल्हाध्यक्षा अनुजाताई सावळे, कामगार सेल अध्यक्ष मनोज दांडगे, युवक अध्यक्ष शेखर बोंद्रे, सामाजिक न्याय अध्यक्ष प्रा.घोटे, युवती अध्यक्ष ॲड.बावस्कर, अमोल वानखेडे, किसान सेलचे अध्यक्ष राजेंद्र जावळे, मिडीया सेल महेश देवरे, ओबीसी सेल अध्यक्ष सुभाष देव्हडे, अल्पसंख्यांक सेल अध्यक्ष मोबीन अहमद, अतुल लोखंडे ईन की प्रमुख उपस्थिती थे। इस अवसर पर पार्टी निरीक्षक रवींद्र तोर ने सभी प्रकोष्ठों के तालुका कार्यकारिणी की उपस्थिति में तालुका अध्यक्ष से कार्यों का जायजा लिया और राष्ट्रीय नेता शरद चंद्र पवार द्वारा किसानों, महिलाओं, दलितों, मेहनतकश जनता के लिए किए गए कार्यों को आम आदमी तक पहुंचाएं और राकांपा के विचारों को घर-घर पहुंचाएं,ऐसी अपील रवींद्र तौर ने की। इस अवसर पर अनिल वर्मा और सत्तार कुरैशी ने अपने विचार व्यक्त किए। तालुका के अध्यक्ष डीएस लहाने ने परिचय से किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस समय, निर्मलाताई तायडे को बुलडाणा तालुका के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। सरोला मारोती के सरपंच की पार्टी हुई भर्ती। समन्वयक गौरव देशमुख और तालुका अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, महासचिव, पदाधिकारी और समीक्षा बैठक के सभी प्रकोष्ठों के तालुका पदाधिकारी उपस्थित थे।

अगर वाहन को थाने में जब्त किया जाता है, तो स्वामित्व दस्तावेजों के माध्यम से दिखाया जाना चाहिए: जिला पुलिस बल की अपील

बुलडाणा। जिले के विभिन्न थानों से कुल 275 दोपहिया और एक तिपहिया वाहन बरामद किया गया है। पुलिस मुख्यालय बुलडाना परिसर में सभी लावारिस वाहनों को जब्त कर जब्त कर लिया गया है। जो कोई भी जब्त वाहन का हकदार है, वह अपील के प्रकाशन की तारीख से सात दिनों के भीतर पुलिस मुख्यालय, बुलडाना में आएं और जब्त किए गए वाहनों के लिए लाए। यदि किसी ने पुलिस थाने में जब्त की गई संपत्ति का स्वामित्व स्थापित नहीं किया है, तो जब्त की गई संपत्ति को रिहा कर दिया जाएगा। जिन नागरिकों को चोरी या गुम हुए वाहनों की शिकायत है, उन्हें बुलढाणा जिला पुलिस बल की वेबसाइट www.buldhanapolice.gov.in पर प्रकाशित वाहनों की सूची देखनी चाहिए। ऐसी अपील पुलिस उपाधीक्षक गिरीश ताथोड़ ने की है।

राजस्थान हलचल

इंडियन रिपोर्टर्स असोसिएशन नई दिल्ली के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष संजय कुमार कोटेचा जननायक पुरस्कार 2019 से सम्मानित

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। जना सहयोग सेवाभावी संस्था परभणी की ओर से इंडियन रिपोर्टर असोसिएशन नई दिल्ली के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष संजय कुमार कोटेचा इनको माननीय माजी मंत्री गणेश रावजी दुधगावकर उंके हातो जन नायक पुरस्कार 2021 चे सम्मानित किया गया इस अवसर पर प्रसिद्ध विधि तज्ञ अशोक जी सोनी पीएसआय रमेश गिरी रिपोर्टर असोसिएशन के परभणी जिल्हा अध्यक्ष मदं जी कोले हिंगोली जिल्हा

अध्यक्ष उत्तम रावजी दिखाईये परभणी प्रसिद्धीप्रमुख देवानंद वाकळे महाराष्ट्र महीला विंग जनरल सेक्रेटरी श्रीदेवी पाटील आदी मान्यवर उपस्थित है। इस कार्यक्रम मे विविध क्षेत्र मे कार्य करने वाले अनेक मान्यवर ऑका सन्मान किया गया इस अवसर पर गरीब महिलाओ को अनाज का किट देकर सम्मानित किया। वैसे 15 अगस्त के निमित्त देशभक्तीपर गीतो का कार्यक्रम हुआ आखिर में राष्ट्रगीत से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मुहर्रम पर्व को लेकर प्रसासन के आला अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित सम्पन्न हुई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मुहर्रम एकता कमेटी व पुलिस प्रसासन के आला अधिकारयो के साथ एक बैठक आयोजित हूई जिला प्रवक्ता नदिम बक्ष ने बताया की सरदार पटेल सभागार पुलिस लाईन मे जोघपुर पश्चिम डी सी पी भूवन भूषण यादव व मुहर्रम एकता कमेटी के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हूई जिसमे मुहर्रम पर्व को लेकर चर्चा की गई जिसमे सरकार की गाईड़ लाईन 10 जूलाई तक को जारी मे यह बताया गया की किसी भी घर्म के प्रति कोई भी जूलूस मेलो को आयोजनो पर रोक लगा रखी हे जिसके चलते मुहर्रम का पर्व भी इस बार भी सरकार की गाईड़ लाईन के मुताबिक ही मुहर्रम पर्व का आयोजन अपने अपने स्थान पर ही रख कर रिति रिवाज आयोजन किये जायेगे ओर फिर अगर कोई नई सरकारी गाइड लाईन जारी होती हे तो उसके अनूसार ही मुहर्रम पर्व मनाया जायेगा तब अभी सिर्फ इमाम बाड़े के बाहर ही नयाज फातिया खानी करने के आदेश हे फिलहाल तो मुहर्रम पर्व इमाम बड़ो के आस पास ही मनाया जायेगा जिसमे कोरोना गाइड़ लाईन पूरा पूरा ख्याल रखकर ही सभी रिति रिवाज से मुहर्रम पर्व मनाया जायेगा बैठक मे यह रहे उपस्थित। उस्ताद हाजी हमीम बक्ष डीसीपी भूवन भूषण यादव ,भाग चंद ए डी सी पी, सूखा राम एसीपी सेंटर, उस्ताद सुबराती खान, दिनेश लखावत सिए खाण्डा फलसा, एसएचओ नागोरी गेट, एसएचओ सदर कोतवाली, नगर निगम सीओ, अ गनी फोजदार, उस्तादआबिद छिपा, उस्ताद हाजी यासीन अबासी, उस्ताद चाँद खान, उस्ताद खलील मो, उस्ताद भूरा, उस्ताद फारूक सोलंकी, मनसूर खान, शोएब खान, डाँ इमरान, फिरोज खान, जलालूदिन, सबर खान, व जोघपुर के सभी मुहर्रम लाइसेंसधार व समिति के पद अघिकार व सदस्यगन बैठक मोजूद थे।

सम्भल हलचल

सम्भल में ईंट भट्टों की आड़ में प्रशासन की साँठ गाँठ से चल रहा है, अवैध खनन का कारोबार

संवाददाता / अरमान उलहक

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में ईट भट्टों की आड़ में प्रशासन की मिलीभगत से अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा है योगी सरकार में भी सपा के धुरंधर कहे जाने वाले लोग जमकर अवैध खनन कर रहे हैं। अब इन सपाइयों ने अपने अवैध काम चलाने के लिए भारतीय जनता पार्टी में भी सदस्यता ले रखी है जिससे इनके गैर कानूनी अबैध कारोबार चलते रहे ताजा मामला हयातनगर थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुर का है यहां पूर्व प्रधान हाफिज खुर्शीद भट्टे के नाम से अवैध खनन चला रहा है इन अवैध खनन कारोबारियों ने इतने गहरे गड्ढे कर दिए हैं कि इन में डूब कर कई हादसे भी हो चुके हैं और इन अवैध खनन कारोबारियों ने सरकारी रॉयल्टी को तो चूना लगाया ही है लेकिन सरकार के आदेशों की भी जमकर धज्जियां उड़ा रहे हैं इन खनन माफियाओं में नही तो प्रशासन का खौफ है और ना ही शासनादेश का डर इन्हें तो अपने अवैध काम करने से मतलब है प्रशासन इस तरफ बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है बल्कि यह योगी सरकार को लगातार धता बता रहे हैं और अपने अवैध खनन का काम जोरो से चला रहे हैं एक तरफ तो योगी सरकार प्रदेश को जीरो टॉलरेंस की नीति पर लाने के लिए लाख प्रयास कर रही है लेकिन यह सपा बसपा के छूट भैया नेता अपनी गुंडागर्दी से बाज नहीं आ रहे हैं यहां तो प्रशासन इन पर मेहरबान है या फिर इन्हें किसी बड़े भाजपा या सपा नेता का आशीर्वाद प्राप्त है जिससे प्रशासन भी कार्यवाही करने से बच रहा है या यूँ कहे प्रशासिनक अधिकारियों की मिली भगत से ही खनन कारोबारियों के हौंसले बुलंद हैं।

मधुबनी हलचल

75 वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी और गैर सरकारी कार्यालय में शान से लहराया कौमी परचम

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मधुबनी स्वतंत्रा दिवस के अवसर पर हर एक छोटी बड़ी सरकारी और गैर सरकारी कार्यालय में झंडोत्तोलन करते हुए लोग नजर आए साथ ही मौलाना अबुल कलाम आजाद नगर भोआरा के इस्लाहे कलाम कोचिंग और स्टडी सेंटर के डायरेक्टर साकिब सालीम आजाद, न्यू नौजवान आजाद कमेटी इंसाफ चौक छोटी मस्जिद रहिका मैं मौलाना उस्मान गनी रहमानी, मदरसा इस्लामिया भोआरा मैं प्रिंसिपल मौलाना हाफिज जिउररहमान इस्लामी, प्राइमरी उर्दू स्कूल मैं हेड मास्टर जमील अनवार, आजाद पब्लिक स्कूल भोआडा मैं सेकूल हदीस मौलाना अजिजुररब फैजी,मदरसा इस्लाहुल मोमिनीन भोआडा में मौलाना जलालुद्दीन मिफताही, बिहार समाजवादी पार्टी परदेस दफ्तर पटना मैं रामसुदिसठ यादव, सक्सेस प्वाइंट कोचिंग सेंटर मैं शायर और अदिब ओसामा अकील, मधुबनी मेडिकल कॉलेज पंडोल में डॉ फैयाज अहमद इंडियन पब्लिक स्कूल भोआडा मैं साबिक एम,एल,ए बिसफि डा फैयाज अहमद मिल्लत टीचर ट्रेनिंग कॉलेज मधुबनी, पुलिस लाइन मधुबनी डीएम अमित कुमार एसपी सत्य प्रकाश एक खूबसूरत नजारा मधुबनी पुलिस लाइन के मैदान में देखने को मिला जहां जिला पदाधिकारी अमित कुमार एसपी डॉक्टर सत्य प्रकाश डीडीसी अजय कुमार सिंह एडीएम अवधेश कुमार राम के जरिया जिला पदाधिकारी अमित कुमार ने झंडोत्तोलन किया गया, नगर निगम मधुबनी के मैदान मे एम,एल,ए,समीर कुमार महासेठ ने झंडोत्तोलन किया गया चारो तरफ जश्न का माहौल रहा और तमाम लोगो के चेहरो पर खुशी दिखाई दिया।

हिमाचल में प्रवेश के लिए फिर से ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य, सरकार ने जारी किए आदेश

शिमला। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने हिमाचल में प्रवेश के लिए फिर से ऑनलाइन पंजीकरण करवाने की शर्त लगा दी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की ओर से बुधवार को जारी आदेशों के अनुसार प्रदेश में होने वाली सभी तरह की अंतरराज्यीय आवाजाही की निगरानी सरकार के कोविड ई-पास पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम की जाएगी। हालांकि सभी माल वाहनों की आवाजाही पर यह शर्त लागू नहीं होगी। रोज या वीकेंड पर आवाजाही करने वाले जैसे उद्योगपतियों, व्यापारी, आपूर्तिकर्ता, उद्योगों के कामगार, परियोजना प्रस्तावकों, सेवा प्रदाताओं, सरकारी कर्मचारी और मरीजों के लिए कोविड वैक्सीन की दोनों डोज के प्रमाणपत्र या आरटीपीसीआर/रैट निगेटिव रिपोर्ट की शर्त में छूट रहेगी। बशर्ते उन्हें 72 घंटों के भीतर वापस लौटना होगा। राज्य से बाहर गए हैं तो भी 72 घंटों के भीतर लौटना होगा।

सारा दिन थकावट रहने की हो सकती हैं ये वजह

दिन भर बिजी रहने और काम के कारण शाम को थकावट होना आम बात है। इसके अलावा अगर सारा दिन बिना किसी कारण थकावट हो तो इसकी कई वजह हो सकती हैं। पूरी तरह से नींद न आना,बॉडी में दर्द होना और मन न लगना जैसे लक्षण हो तो अपने लाइफस्टाइल की तरफ ध्यान दें। हो सकता है इनमें से कोई वजह हो जो आपकी थकावट का कारण है। आइए जाने इसके कारण...

1. शरीर में पानी की कमी
आप अगर पर्याप्त पानी नहीं पीते तो इससे शरीर हाइड्रेट नहीं हो पाता। पानी की कमी होने पर थकावट और बॉडी पेन हो सकती है। दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए।

2. देर रात तक मोबाइल चलाना
रात को देर तक सोशल साइटस पर ऑनलाइन रहना,ईमेल या फिर टी वी और कंप्यूटर का इस्तेमाल करना भी नुकसानदेह हो सकता है। इससे सुबह जल्दी उठने में परेशानी होती है। जिससे सारा दिन थकावट रहती है।

3. नाश्ता न करना
रात को देर से सोना और देर से जागना इसके बाद नाश्ता भी न करना। इससे सेहत पर कई तरह के बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं। भूखे रहने से कोई काम करना का मन नहीं करता और थकावट महसूस होती रहती है

4. रात को कैफीन या अल्कोहल का सेवन
रात को कैफीन और अल्कोहल का सेवन करने से सुबह उठने में परेशानी होती है। इससे सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। शराब और सिगरेट जैसी बुरी चीजों से परहेज करना चाहिए।

आपकी कुछ गलत आदतों के कारण नहीं होता वजन कम

आजकल 5 में से 3 लोग मोटापे से परेशान है। वजन कम करने के लिए कई तरह के उपाय करते हैं। कुछ लोग जिम जाते है तो कुछ डाइटिंग करते है लेकिन फिर भी उनका वजन कम नहीं होता। शायद आप यह नहीं जानते कि रोजाना आप कुछ ऐसी गलतियां कर देते है जिसके कारण आपका वजन कम नहीं होता। आज हम आपको बताते हैं कुछ ऐसी आदतों के बारे में...

1. पानी की जगह जूस का अधिक सेवन करना: अगर आप पानी की जगह जूस का अधिक सेवन करते है तो इसके कारण भी आपका वजन कम नहीं होता। जूस में पाए जाने वाली शुगर आपके शरीर में फैट पैदा करती है।

2. ओवर डाइटिंग: कुछ लोग वजन करने के लिए डाइटिंग करते है। डाइटिंग के चक्कर में बिल्कुल खाना पीना बंद कर देते हैं। ऐसे में उनका वजन कम नहीं होता बल्कि बढ़ जाता है।

3. नाश्ता न करना: सेहतमंद रहने के लिए सुबह का नाश्ता करना बहुत जरूरी हैं। सुबह का नाश्ता न करने से मेटाबॉलिज्म कम हो जाता है, जिससे शरीर में फैट बनने लगती है।

4. हरी सब्जियों का सेवन न करना: आजकल के बच्चे और युवा हरी सब्जियों को खाने से कतराते हैं। अगर आप अपना वजन घटाना चाहते है तो अपनी डाइट में हरी सब्जियां शामिल करें।

5. ओवरइटिंग: अक्सर मोबाइल या टीवी देखते हुए अधिक खाना खाया जाता जिससे वजन बढ़ना शुरू हो जाता है। ऐसे में ओवरइटिंग करने से बचें।

मुंह की लार में छिपा है सेहत का राज

सुबह जब हम सो कर उठते है उस समय जो हमारे मुंह की लार होती है उसके अनेक फायदे है इसे बासी मुंह की लार भी कहते है। सुबह की लार का पूरा फायदा उठाने के लिए हमें बिना मुहं धोये ही उसका उपयोग करना चाहिए। यह एक औषधीय गुण है जो आपकी कई समस्याओं को खत्म करता है। आइए जानते है कि इसके क्या-क्या फायदें है।

- **जले हुए दाग मिटाएं:** अगर आप सुबह-सुबह उठ के अपना लार जले हुए निशान पर लगाएंगे तो ऐसा करने से कुछ समय में दाग मिटने लगेगा।
- **आंख आना:** जब आंख आती है तो काफी दर्द होता है और आंखों से पानी भी आता है। ऐसे में अगर आप आंख पर लार लगाएंगी तो 24 घंटो के अंदर आंख सही हो जाती है।
- **घाव जल्दी भरें:** घाव पर लार लगाने से घाव जल्दी भरने लगता है।
- **आंखों की रोशनी बढाएं:** आंखें कमजोर पड़ने पर सुबह उठ के काजल की तरह लार लगाएं। ऐसा करने से आंखों की रोशनी तेज होती है और चश्मा लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ती।
- **पेट के लिए लाभदायक:** जब आप सुबह पानी पीते है तो रात भर जो मुंह में जमा लार होता है वो पानी के साथ मुंह में चला जाता है जो पेट के लिए बड़ा ही फायदेमंद है।

गाय का घी रात को इस तरह करें इस्तेमाल

गाय को हिंदू धर्म में बहुत सम्मान दिया गया है। इसकी पूजा की जाती है और गाय का दूध सेहत के लिए अमृत के समान माना गया है। सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियां गाय के दूध और घी से दूर हो जाती हैं। आइए जानिए गाय के घी फायदों के बारे में...

1. खरार्टे गायब: रात को सोने से पहले हल्का गुनगुना करके एक-एक बूंद नाक में डाल कर सोने से खरार्टों की परेशानी दूर हो जाएगी।

2. अच्छी नींद: रात को नींद नहीं आती तो रात को नाक में घी डालकर सोएं,नींद अच्छी आएगी और सारा दिन फ्रेश रहेगें।

3. यादाशत बढाएं: गाय के घी को नाक में डालने से यादाशत अच्छी होती है और बच्चों के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

4. तनाव दूर: किसी भी तरह के मानसिक तनाव से दूर हैं तो गाय का शुद्ध घी रात को रोजाना नाक में डालकर सोएं। इससे तनाव दूर हो जाएगा और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

5. पुराने जुखाम से राहत: लंबे समय से जुखाम से परेशान हैं और दवाइयों से भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा तो रात को रोजाना गाय का घी डालकर सोएं। इसके लगातार इस्तेमाल से जुखाम से राहत पाई जा सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'बिग बॉस ओटीटी' में होगी रेखा की एंट्री

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन का आगाज हो चुका है। इस बार यह शो पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म वूट पर स्ट्रिमिंग हो रहा है, जिसे 'बिग बॉस ओटीटी' नाम दिया गया है। बिग बॉस ओटीटी को करण जौहर होस्ट करते नजर आ रहे है। यह शो 6 हफ्ते तक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर टेलीकास्ट होगा। इसके बाद यह शो टीवी पर प्रसारित होगा। बिग बॉस ओटीटी में बचे हुए कंटेस्टेंट्स की बिग बॉस 15 में एंट्री होगी। इस शो को एक बार फिर सलमान खान होस्ट करते नजर आएंगे। वहीं अब खबर है कि 'बिग बॉस के घर में बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा रेखा की एंट्री होने वाली है। खबरों के अनुसार बिग बॉस ओटीटी के खत्म होने के बाद रेखा की एंट्री होगी। वह बिग बॉस ओटीटी के बचे हुए कंटेस्टेंट्स का इंट्रोडक्शन सलमान खान से कराएंगी। बताया जा रहा है कि रेखा सलमान खान को कंटेस्टेंट्स की खूबियां और खामियां बताकर मनाने की कोशिश करेंगी कि उन्हें क्यों 'बिग बॉस 15' का हिस्सा होना चाहिए। खबरों की माने तो रेखा ने अपने हिस्से का वॉइस ओवर रिकॉर्ड कर लिया है और इसे जल्द ही ऑन-एयर किया जाएगा।

बेल बॉटम एक्ट्रेस वाणी कपूर का फाइनेंसियल स्ट्रगल पर छलका दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर जल्द ही फिल्म बेल बॉटम में नजर आने वाली हैं। उनकी यह फिल्म जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इन दिनों वाणी कपूर फिल्म बेल बॉटम का जोर-शोर से प्रमोशन भी कर रही हैं। इन सबके बीच अब एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में अपने फिल्मी स्ट्रगल को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि उन्हें फाइनेंसियल क्राइसिस से भी गुजरना पड़ा है। वाणी कपूर ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी पर्सनल लाइफ के साथ फिल्मी करियर को लेकर लंबी बात की। वाणी कपूर ने अपने करियर को लेकर कहा है कि नौसिखिया के तौर पर उन्होंने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में काफी संघर्ष किया है। इतना ही नहीं, वाणी कपूर को संघर्ष के दिनों में आर्थिक संकट से भी गुजरना पड़ा था। अपने करियर के शुरूआती दिनों को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं अपने आपको खुद सपोर्ट कर रही हूं। मैंने 18-19 साल की उम्र से अपने माता-पिता से एक पैसा नहीं लिया है और मैं खुद का सपोर्ट करती हूं। मैं मॉडलिंग कर रही थी। अपना पैसा कमा रही थी। यह मेरे लिए भी बहुत नया क्षेत्र था। मैं बहुत अनजान और कम आत्मविश्वास से भरी हुई थी। मुझे नहीं पता था कि मैं क्या कर रही हूं। मुझे नहीं पता था कि इसके बारे में कैसे जाना है। लेकिन अपने लिए एक निश्चित दृष्टि है। मेरे पास वह दृष्टि थी और मैं अपने विश्वासों पर अडिग थी। वाणी कपूर ने आगे कहा, इसलिए, मैंने एक्टिंग की दुनिया में खुद को कम बेचने की कोशिश नहीं की। यह एक ऐसी चीज है जिसके बारे में मैं पहले दिन से ही निश्चित थी।

साउथ की इस हिट फिल्म के हिन्दी रीमेक में नजर आएंगे अभिषेक बच्चन!

साउथ की कई सुपरहिट फिल्मों के हिन्दी रीमेक बन चुके हैं। वहीं कई फिल्मों के रीमेक बनने की तैयारी चल रही हैं। अब एक और तमिल फिल्म के हिन्दी रीमेक की खबर आ रही है। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन नजर आने वाले हैं। खबरों के अनुसार अभिषेक बच्चन ने साल 2019 में आई तमिल थ्रिलर फिल्म 'ओत्था सेरुप्पु साइज 7' के हिन्दी रीमेक के राइट खरीदे हैं। वह इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। फिल्म के हिन्दी रीमेक को निर्देशित करने की जिम्मेदारी आर पार्थिबान को दी गई है। उन्होंने ओरिजनल फिल्म को भी निर्देशित किया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म की लोकेशन पर क्रू मेंबर्स को फोन ले जाना प्रतिबंध है ताकि फिल्म की गोपनीयता बनाई रखी जा सके। मेकर्स को उम्मीद है कि इस सस्पेंस थ्रिलर फिल्म का हिन्दी वर्जन भी तमिल की तरह हिट साबित होगा। बता दें कि इस थ्रिलर फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के आस-पास घूमती है, जिसपर हत्या का इल्जाम है और उससे पूछताछ की जाती है।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
Estd. : 2011
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in